1. जंगली दरख्‍तों के दर्मियान

एक सेब के पेड़ के समान

नज़र आता है मुझे ऐ मसीह

सारे संतो के बीच में तू

हम्‍द करूँ तेरी ऐ प्रभु

अपने जीवन भरे इस जंगल के सफर में

गाऊं शुक्र्गुज़ारी से मैं

2. तू ही है नरगिस खास शारोन का

हाँ तू सोसन भी वादियों का

सन्‍तो में तू है अति पवित्र

कैसा कामिल और शान से भरा

हम्‍द करूँ....

3. ईत्र के समान है तेरा नाम

खुशबू फैलाता है जहान में

तंगी मुसिबत और बदनामी में

बना खुशबुदार तेरे समान

हम्‍द करूँ....

4. घबराहट के लहरो से गर

डूबूँ दुःख के सागर में

अपने ज़ोरावर हाथ को बढ़ा

मुझे अपने सीने से लगा

हम्‍द करूँ....

5. अभी आ रहा हूँ तेरे पास

पूरी करने को तेरी मर्जी

ताकि दे दूं मैं काम को अंजाम

पाऊँ तेरे दीदार का ईनाम

हम्‍द करूँ....